**ARYAVART SHODH VIKAS PATRIKA**
RNI TITLED NO. UPBIL04292
RNI REG. NO. UPBIL/2014/66218 **PP. NO.- 143-144**

ISSN NO.-2347-2944 (Print)
e-ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-15, No.- II, Issues-24, YEAR- April-June-2022

# ग्रामीण परम्पराओं को परिवर्तित करती आधुनिकता

**डॉ0 राजीव कुमार श्रीवास्तव**

असि0 प्रफेसर– समाजशास्त्र विभाग, श्री एस0 एस0 बी0 पी0 जी0 कालेज, सुदिष्टपुरी–रानीगंज, बलिया (उ0प्र0) भारत

**Received-08.06.2022, Revised-14.06.2022, Accepted-18.06.2022 E-mail: rksharpur@gmail.com**

***सारांश: –** विश्व के अनेक विकसित देष जहाँ अपनी परम्पराओं को छोड़कर आधुनिकता को अपना रहे है। वही भारतीय समाज में आज भी परम्परा और आधुनिकता का एक अनूठा मिश्रण देखने को मिलता है। परम्परा में आधुनिकता और आधुनिकता में परम्परा के तत्व इस तरह घुल–मिल गये है कि किसी को भी एक दूसरे से बिल्कुल पृथक कर सकना कठिन है। हमारा देश गांवो का देश है ग्रामीण क्षेत्रो की सबसे बड़ी विशेषता उसकी परम्परागत व्यवस्था थी किन्तु अब वहा भी आधुनिकता ने अपने पैर फैलाना शुरु कर दिया है। आधुनिकीकरण की दिशा में आज ग्रामीण समाज तेजी से आगे बढ़ रहा है इसका स्पष्ट प्रभाव गाँवो में कृषि की नयी प्रविधियों का बढ़ता हुआ उपयोग है अब अधिकांश ग्रामीण कृषि में मशीनीकरण हो जाने से ट्रैक्टर, कल्टीवेटर, पंमपिग सेटो, थ्रेसर तथा स्प्रेयर आदि का प्रयोग करके कृषि उत्पादन को बढ़ाने में लगे हुए है। अधिकांश किसानों द्वारा उन्नत बीजो कीट नाशक दवाओं और रसायनिक खादों का उपयोग किया जाता है। खेती के साथ पशुओं की नस्ल को सुधारने में भी ग्रामीणो की जागरुकता तेजी से बढ़ रही है आज गाँव के लोग कृषि अधिकारियों से सम्पर्क करके ऐसी सभी जानकारियाँ प्राप्त कर रहे है जिनकी सहायता से कृषि उत्पादन में वृद्धि हो सके तथा उन्हे अपनी उपज का अच्छा मूल्य प्राप्त हो सके।*

***कुंजीभूत शब्द–** आधुनिकता, भारतीय समाज, परम्परा, अनूठा मिश्रण, ग्रामीण क्षेत्रो, परम्परागत व्यवस्था, मशीनीकरण।*

ग्रामीण क्षेत्रो में कृषि उत्पादन बढ़ने से प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि हुई। उनकी वेशभूषा तथा खान–पान के स्तर में व्यापक सुधार होने लगा हैं, जीवन स्तर में होने वाला यह सुधार उन मनोवृत्तियों का परिणाम है, जो आधुनिकता की उपज है। आधुनिकीकरण के द्वारा नयी मनोवृत्तियों के आ जाने से उन अन्धविश्वासों और कुरीतियों का प्रभाव तेजी से कम होने लगा है जो कई वर्षो से ग्रामीण सामाजिक जीवन को विघटित कर रही थी समाज में जैसे–जैसे शिक्षा का प्रभाव बढ़ा सती–प्रथा, बाल–विवाह, अस्पृश्यता, दास–प्रथा, विधवाओं के शोषण, बहुपत्नी विवाह, पर्दाप्रथा, स्त्री–पुरुषो की असमानता तथा दहेज प्रथा का विरोध बढ़ने लगा आज अन्तर्जातिय विवाहो में होने वाली वृद्धि आधुनीकीकरण का ही परिणाम है।

स्वतंत्रता के बाद आधुनिकीकरण में वृद्धि होने से जाति के नियम तेजी से कमजोर पड़ने लगे है यातायात के साधनों का विकास होने से सभी जातियों के लोगो को व्यवसाय के नये अवसर मिले है आज प्रतिदिन लाखो की संख्या में लोग गाँव से शहर में पढ़ने, नौकरी करने, व्यापार करने जाते है और षाम को लौट आते है। जनसंचार के साधनो का प्रयोग दिनो–दिन बढ़ता जा रहा है, विज्ञान की उन्नति यातायात व संचार–साधनों में क्रांतिकारी विकास और परिवर्तन होने के कारण एक ओर गाँव और नगर की पारस्परिक दूरी दिन–प्रतिदिन घटती जा रही है और दूसरी ओर गाँव और नगर दोनो के ही पर्यावरण और स्वरुप में अत्यन्त क्रांतिकारी परिवर्तन होते जा रहे है। आधुनिकता ने ग्रामीण जीवन–स्तर में महत्वपूर्ण परिवर्तन लाया है आज गाँवो में भी मोटरसाईकिल, मोटर कार टी0बी0 पक्के मकान, सोफासेट, फ्रिज, ए0सी0 इत्यादि देखने को मिलते है जो पहले शहरो में देखने को मिलते थे। ग्रामीण लोगो के पहनावे तथा खान–पान में भी परिवर्तन आते जा रहे है आधुनिकता ने ग्रामीण महिलाओं के जीवन स्तर में भी परिवर्तन ला कर उनकी स्थिति में सुधार किया है आज पहले की तरह स्त्री पुरुष की दासी न होकर उसकी सहभागी है उनमें आत्म–विश्वास तथा आत्म–सम्मान की भावना पनपी है। पर्दा–प्रथा कम हो गया है और स्त्रियों को आत्म विकास का अवसर मिला है, ग्रामीण क्षेत्र में सामाजिक परिवर्तन लाने में महिला शिक्षा भी उल्लेखनीय है आज उन्हे शिक्षा प्राप्त करने की जो सुविधाएं प्राप्त हो रही है उसके कारण उसमें एक नवीन जागृति आ गई है और वे अपने अधिकार व कर्तव्यों के सम्बन्ध में पहले से अब कही ज्यादा जागरुक हो गई है।

विज्ञान तथा शिक्षा के द्वारा ग्रामीण लोगो के अंधविश्वास एंव धर्मान्धता में कमी आई है। लोग जीवन की विभिन्न समस्याओं के प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण को अपनाने लगे है अंधविश्वास पूजा–पाठ, यज्ञ, हवन धार्मिक कर्म–काण्ड आदि में कमी आई है अब तरह–तरह के पत्थर वाली अंगुठियो और ताबीजो में भी विश्वास कम होने लगा है लोग भाग्य की जगह मेहनत में विश्वास करने लगे है आधुनिकता के कारण ग्रामीण अपनी परम्पराओं में पूरा लचीलापन लाने को तैयार है तथा बड़ी उदारता से आधुनिक उपभोग की वस्तुओं को अपना रहे है ग्रामीण महिला भी अपनी वेशभूषा तथा साज–सज्जा पर विशेष ध्यान दे रही है जिससे गाँव में भी फैशन सामग्री की व्यापकता बढ़ी है तथा ब्यूटीपार्लर खुल गये है।

संक्षेप में हम यह कह सकते है आधुनिकता ने ग्रामीण भारतीय जीवन के सभी पहलुओं में परिवर्तन लाया है जिसमें

**अनुरूपी लेखक/संयुक्त लेखक**

द्वारा ग्रामीण, समाज की मुख्य धारा से जुड़ते जा रहे है तथा भारत के कृषि विकास तथा अर्थ–व्यवस्था को सुदृढ़ कर रहे है। आज ग्रामीण नवीन शिक्षा को ग्रहण कर अपने जीवन स्तर में सुधार ला रहे है तथा सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ ले रहे है।

## संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. दूबे, एस0सी0, –माडर्ननाईजेशन एण्ड डेवलोपमेन्ट विस्तार पब्लीकेशन, न्यू दिल्ली 1998.
2. गोरे, एम0एस0, –एजुकेशन एण्ड माडर्ननाईजेशन इन इण्डिया, रावत पब्लीकेशन जयपुर 1982.
3. सिंह, योगेन्द्र,– कल्चर चेन्ज इन इण्डिया रावत पब्लीकेशन, जयपुर 2000.

*****